बिहार विधान परिषद्

188वां सत्र

तारांकित प्रश्न
वर्ग – 2

06 चैत्र, 1940 (श.)
मंगलवार, तिथि ----------
27 मार्च, 2018 ई.

प्रश्नों की कुल संख्या – 22

1.	उद्योग विभाग	....	....	02
2.	स्वास्थ्य विभाग	....	....	15
3.	लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग	....	....	01
4.	ऊर्जा विभाग	....	....	02
5.	विधि विभाग	....	....	01
6.	गन्ना उद्योग विभाग	....	....	01

			कुल योग –	**22**

भुखमरी की समस्या

***** 406. **प्रो. नवल किशोर यादव** : क्या मंत्री, उद्योग विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि जूट उद्योग भारत के परम्परागत उद्योगों में से एक है;

(ख) क्या यह सही है कि आजादी से पहले बिहार का जूट उद्योग बंगाल के जूट उद्योग के साथ काफी फल-फूल रहा था, लेकिन अब किसानों की आर्थिक बदहाली से मुख्यत: पूर्णिया, कटिहार, सहरसा एवं दरभंगा जिलों में जूट उत्पादन बंद की स्थिति में है और उद्योग भी समाप्ति की ओर है;

(ग) क्या यह सही है कि सूबे में हर साल जूट मिल (करखाने) बंद हो रहे हैं, जिससे मजदूरों के सामने भुखमरी की समस्या आ गई है और इसी कारण राज्य से मजदूर पलायन कर रहे हैं;

(घ) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार इस परम्परागत जूट उद्योग को बरकरार रखने/पुनर्जीवित करने/जूट मिलों को संरक्षण प्रदान करने का विचार रखती है, ताकि मजदूरों के साथ-साथ किसानों को भी फायदा (लाभ) हो सके ?

सुविधा का अभाव

***** 407. **श्री रामचन्द्र भारती** : क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि पटना शहर में निजी अस्पतालों में खुलेआम मरीजों को लूटने का धंधा जोरों पर है;

(ख) क्या यह सही है कि राज्य के सरकारी अस्पतालों में पर्याप्त सुविधा का अभाव तथा मरीजों के साथ उचित व्यवहार नहीं होने के कारण मरीजों को मजबूरन निजी अस्पतालों की शरण में जाना पड़ता है;

(ग) क्या यह सही है कि राजधानी के निजी अस्पतालों में की जा रही गड़बड़ी की लगातार शिकायत मिलने पर सरकार की ओर से समय-समय पर इन अस्पतालों के निरीक्षण हेतु दिए गए निर्देश का भी अनुपालन नहीं किया जाता है;

(घ) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सरकार इन निजी अस्पतालों के नियमित निरीक्षण तथा उनपर नियंत्रण हेतु कौन-सा ठोस एवं कारगर नीति बनाना चाहती है और कबतक ?

पदस्थापन पर विचार

***** 408. **श्री केदार नाथ पाण्डेय** : क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि राज्य के लगभग सभी सरकारी अस्पतालों में, विशेषकर प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र एवं अतिरिक्त प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र में अधिकांश डॉक्टर वर्षों से अनुपस्थित हैं;

(ख) क्या यह सही है कि डॉक्टर के नहीं रहने से आम लोगों को काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार उक्त डॉक्टरों की अनुपस्थिति से उत्पन्न हुए संकट को दूर करने के लिए उन्हें उनके गृह जिला में ही पदस्थापित करने का विचार रखती है ?

पेंशन देने पर विचार

***** 409. **डा. उपेन्द्र प्रसाद** : क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि गया जिला के डोभी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र के सेवा निवृत्त कर्मचारियों को बगैर ए.सी.पी./एम.ए.सी.पी. एवं वेतन निर्धारण किये पेंशन हेतु महालेखाकार को भेज दिया गया है;

(ख) क्या यह सही है कि उक्त केन्द्र में लगभग एक वर्ष पूर्व कर्मचारियों का वेतन रोक कर किसी एक कर्मचारी के बकाया वेतन का भुगतान किया गया था;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो उक्त प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र में भ्रष्टाचार में लिप्त संबंधित पदाधिकारी एवं कर्मचारी पर कार्रवाई करते हुए सेवानिवृत्त कर्मचारियों का ए.सी.पी./एम.ए.सी.पी. का लाभ देते हुए वेतन निर्धारण कर पेंशन देने का कार्रवाई करने का आदेश देगी, यदि हां तो कबतक ?

कड़ी कार्रवाई

***** 410. **श्री सतीश कुमार** : क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि पूर्वी चम्पारण जिलान्तर्गत कोटवा पीएचसी के निरीक्षण हेतु सिविल सर्जन, मोतिहारी, पूर्वी चम्पारण द्वारा 1 माह पहले गये थे तथा दवाखाने का निरीक्षण करना चाहा परंतु यह कह कर प्रभारी द्वारा निरीक्षण से रोक दिया गया कि स्टोर कीपर नहीं है;

(ख) क्या यह सही है कि कोटवा प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र में हिमालय कम्पनी की दवाओं में, फूलकोनाजोल, अभिकासिन तथा प्रसूता मरीजों की दवाइयां थीं जिनको प्रभारी तथा स्टोर कीपर तथा अन्य कर्मियों द्वारा ड्राम में रख कर जमीन में गाड़ दिया गया तथा बोतल एवं अन्य दवाओं को आग के हवाले कर दिया गया तथा कुछ दवाओं को झाड़ियों में फेंक दिया गया, जिसकी जानकारी के बाद बी.डी.ओ., कोटवा द्वारा कुछ दवाइयों को जब्त किया गया है;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सरकार प्रा. स्वा. केन्द्र, कोटवा में करोड़ों रुपये के मूल्य की दवा को नष्ट करने एवं फेंकने तथा साक्ष्य मिटाने से साबित होता है कि ये सभी दवायें नकली तथा फर्जी ढंग से सप्लाई की गई थी उक्त प्रा. स्वा. केन्द्र के प्रभारी, स्टोर कीपर, दवा सप्लायर पर कड़ी कार्रवाई करना चाहती है तथा कितने मूल्य की कौन-कौन-दवायें बर्बाद हुई हैं, बताना चाहती है, हां तो कबतक, नहीं तो क्यों ?

अनुपात घटाने पर कार्रवाई

***** 411. **श्री सी. पी. सिन्हा** : क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि बिहार ने बाल विवाह एवं दहेज उन्मूलन के लिए 21 जनवरी को विशाल मानव श्रृंखला बनाकर इतिहास रच दिया;

(ख) क्या यह सही है कि केन्द्र सरकार द्वारा कराए गए सेम्पल रजिस्ट्रेशन प्रणाली के सर्वे में बिहार में पांच साल की उम्र में बालिका मृत्यु दर का अनुपात सबसे अधिक है;

(ग) क्या यह सही है कि राष्ट्रीय अनुपात 37 बेटे एवं 41 बेटियों की मौत का है जबकि बिहार में बालक 35 तथा बालिका 51 प्रति हजार है;

(घ) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सरकार बेटियों के अस्तित्व को बचाने 5 वर्ष की उम्र में बालिका मृत्यु दर का अनुपात घटाने के लिए क्या कार्रवाई कर रही है, सरकार सुधार रिपोर्ट देना चाहती है, यदि हां तो कबतक, नहीं तो क्यों ?

योगदान देने का आदेश

***** 412. **श्री वीरेन्द्र नारायण यादव** : क्या मंत्री, लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि प्रमंडल भभुआ के दुर्गावती प्रशाखा के कनीय अभियंता को उसी प्रमंडल की अन्य प्रशाखाओं में विगत आठ वर्षों से पदस्थापित रहने तथा गंभीर आरोपों के आधार पर अधिसूचना संख्या-2/प. 1-101/17-145, पटना, दिनांक-19.7.17 के द्वारा अरवल प्रमंडल की प्रशाखा अरवल में स्थानांतरण किया गया है;

(ख) क्या यह सही है कि उक्त कनीय अभियंता ने अपना योगदान स्थानांतरित स्थान पर अभी तक नहीं दिया है;

(ग) क्या यह सही है कि अधिसूचना संख्या-2/नि. 1-102/14 (खंड) 19, पटना, दिनांक-30.1.18 के द्वारा उक्त कनीय अभियंता का स्थानांतरण पुन: पूर्व में कार्यरत प्रमंडल में ही किया गया है;

(घ) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सरकार वर्तमान अधिसूचना संख्या को रद्द कर पूर्व में अधिसूचित स्थान पर उक्त कनीय अभियंता को योगदान देने का आदेश देना चाहती है ?

स्वास्थ्य सेवा में सुधार

***** 413. **श्री रजनीश कुमार** : क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि राज्य के सरकारी अस्पतालों में विश्व स्वास्थ्य संगठन के मानकों के अनुरूप डॉक्टरों की घोर कमी है;

(ख) क्या यह सही है कि विश्व स्वास्थ्य संगठन के मानकों के अनुरूप मरीजों की संख्या के अनुसार पर्याप्त बेड भी अस्पतालों में मौजूद नहीं है;

(ग) क्या यह सही है कि डॉक्टरों और बेड की भारी कमी का असर स्वास्थ्य सेवाओं पर पड़ता है और इसका खामियाजा खासकर गरीब मरीजों को उठाना पड़ता है;

(घ) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार डॉक्टरों एवं बेड की कमी दूर कर स्वास्थ्य सेवा में सुधार करना चाहेगी, यदि हां तो कबतक, नहीं तो क्यों ?

सोलर पार्क बनाने पर विचार

***** 414. **श्री राधाचरण साह** : क्या मंत्री, ऊर्जा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि नेशनल सोलर मिशन के तहत केन्द्र सरकार ने देश के कई राज्यों के लिए 20 हजार मेगावाट से अधिक क्षमता का सोलर पार्क बनाने की मंजूरी दी है;

(ख) क्या यह सही है कि केन्द्र सरकार के निर्देश पर बिहार में भोजपुर जिला के आरा में सोलर पार्क बनाने का सरकार का प्रस्ताव है;

(ग) क्या यह सही है कि सोलर पार्क की योजना से आरा शहर की जरूरत पूरी हो जायेगी;

(घ) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो जनहित में सरकार कबक भोजपुर जिला के आरा में सोलर पार्क बनाने पर विचार रखती है ?

अतिक्रमण से मुक्त

***** 415. **प्रो. संजय कुमार सिंह** : क्या मंत्री, विधि विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि लखीसराय नगर परिषद के वार्ड सं.-28 में अवस्थित ऐतिहासिक, पौराणिक कमलेश्वर नाथ वन खंडी हनुमान मंदिर का धार्मिक न्यास बोर्ड के अंतर्गत न्यास बोर्ड का गठन किया गया है;

(ख) क्या यह सही है कि मंदिर में सालों भर श्रद्धालुओं का तांता लगा रहता है और सालों भर धार्मिक आयोजन होते रहते हैं;

(ग) क्या यह सही है कि मंदिर तक जाने वाले रास्तों को दोनों ओर से अतिक्रमित कर लिया गया है और इस संबंध में बार-बार स्मारित करने के बावजूद प्रशासन उदासीन है;

(घ) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सरकार मंदिर जाने के आम रास्ता को अतिक्रमित मुक्त कराना चाहती है ?

चिकित्सकों का पदस्थापन

*416 **श्री नीरज कुमार** : क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि पटना जिलान्तर्गत मसौढ़ी प्रखंड के ग्राम सगुनी में कई वर्षों से अतिरिक्त प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र का भवन निर्मित है, लेकिन अभी तक पूर्णत: बंद है;

(ख) क्या यह सही है कि उक्त अतिरिक्त प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र के पूर्णत: बंद रहने के कारण स्थानीय नागरिकों को उससे लाभ नहीं मिल पा रहा है;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार अगले वित्तीय वर्ष में अस्पताल के मानक के अनुरूप कर्मियों एवं चिकित्सकों का पदस्थापन कर उक्त केन्द्र को चालू करना चाहती है ?

सिस्टम सुदृढ़

* 417. **श्री संजय प्रकाश** : क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि पिछले दिनों नालन्दा मेडिकल कॉलेज अस्पताल में आग लग गई थी;

(ख) क्या यह सही है कि बिहार के विभिन्न अस्पतालों के फायर सिस्टम जर्जर अवस्था में हैं, यहां तक कि पी.एम.सी.एच. के शिशु वार्ड के पास रखे छोटे-छोटे सिलिंडर आग को आमंत्रण देते हैं;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सरकार कब तक अस्पतालों में फायर सिस्टम सुदृढ़ कर सकेगी ?

शीघ्र निर्माण

* 418. **श्री चन्देश्वर प्रसाद** : क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि पटना जिला के मसौढ़ी प्रखंड अन्तर्गत ग्राम पंचायत चपौर मुख्यालय के बांध के पास प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र भवन के अभाव में चपौर पंचायत के रोगियों को रोगानुसार चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने में काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है;

(ख) यदि उपर्युक्त खंड 'क' का उत्तर स्वीकारात्मक है, तो क्या सरकार चपौर पंचायत के रोगियों को चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने में सहूलियत हेतु चपौर पंचायत में प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र का भवन शीघ्र निर्माण करना चाहती है, यदि हां तो कबतक ?

उचित मूल्य

*419. **श्री राजेश कुमार उर्फ बब्लू गुप्ता** : क्या मंत्री, गन्ना उद्योग विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि -

(क) क्या यह सही है कि पूर्वी चम्पारण की मोतिहारी और चकिया चीनी मिल बंद है;

(ख) क्या यह सही है कि इस क्षेत्र के हजारों हजार किसान अपने खेतों में गन्ना लगाकर हताश होकर बैठे हुए है क्योंकि उनका गन्ना लेने वाला कोई नहीं है;

(ग) क्या यह सही है कि इन क्षेत्रों में सरकार स्वयं अपनी चीनी मिल स्थापित करना चाहती है;

(घ) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सरकारी चीनी मिल स्थापित होने तक क्या सरकार मोतिहारी एवं चकिया चीनी मिल को पूर्व की भांति ऑपरेशनल बनाने का प्रयास करना चाहेगी ताकि किसानों को उत्पादित गन्ना का उचित मूल्य मिल सके, यदि हां तो कबतक ?

मरीजों की सुविधा

*420. **श्री रणविजय कुमार सिंह** : क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि -

(क) क्या यह सही है कि भोजपुर जिला के आरा सदर अस्पताल में मरीजों के लिये कुव्यवस्था है;

(ख) क्या यह सही है कि उक्त अस्पताल में डॉक्टर समय पर नहीं रहते हैं, जिसके कारण मरीजों के परिजन अपने मरीज को नजदीकी प्राइवेट अस्ततात में ले जाने को मजबूर हैं;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार उपरोक्त अस्पताल में मरीजों की सुविधा हेतु डॉक्टरों की उपलब्धता सुनिश्चित करना चाहती है, यदि नहीं तो क्यों ?

व्यवस्था सुदृढ़

*421. **श्री मदन मोहन झा** : क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि -

(क) क्या यह सही है कि दरभंगा जिलान्तर्गत मनीगाछी प्रखंड के रेफरल अस्पताल, मनीगाछी की स्थिति काफी जर्जर है, भवन एवं उपस्कर की स्थिति जीर्ण-शीर्ण है;

(ख) क्या यह सही है कि मनीगाछी में एक मात्र रेफरल अस्पताल है;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार जर्जर अस्पताल की अविलम्ब मरम्मती कराते हुए चिकित्सा व्यवस्था सुदृढ़ करना चाहती है, यदि हां तो कबतक ?

चिकित्सक की व्यवस्था

*422. **श्री देवेश चन्द्र ठाकुर** : क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि -

(क) क्या यह सही है कि दरभंगा जिलान्तर्गत प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, तारडीह उत्क्रमित किया गया है, कैथवार अतिरिक्त स्वास्थ्य केन्द्र व कुर्सो नदियामी के भवन की स्थिति काफी जर्जर है एवं दोनों अतिरिक्त स्वास्थ्य केन्द्र में चिकित्सक, ड्रेसर, दवा की व्यवस्था उपलब्ध नहीं है;

(ख) क्या यह सही है कि क्या सरकार उक्त प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र में उत्क्रमित अस्पताल में चिकित्सीय साधन उपलब्ध नहीं किया गया है;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार भवन निर्माण व चिकित्सक ड्रेसर, दवा की व्यवस्था प्राथमिकता के आधार पर कराने का विचार रखती है, यदि हां तो कबतक ?

रिक्त पदों पर बहाली

*423. **श्री राजेश राम** : क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि -

(क) क्या यह सही है कि वर्ष 2015 में बिहार कर्मचारी चयन आयोग, पटना द्वारा शल्य चिकित्सक सहायक के रिक्त पदों पर नियुक्ति हेतु ऑनलाइन आवेदन लिया गया था;

(ख) क्या यह सही है कि खंड 'क' में वर्णित पदों को भरने हेतु वर्ष 2016 में बिहार कर्मचारी चयन आयोग, पो.-भेटनरी कॉलेज, पटना के परिसर में शल्य चिकित्सक सहायक के पदों को भरने हेतु साक्षात्कार परीक्षा लेने के पश्चात् उक्त परीक्षा को रद्द कर दिया गया;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार बिहार कर्मचारी चयन आयोग, पटना द्वारा पुन: उक्त पदों पर ऑनलाइन विज्ञापन प्रकाशित कर साक्षात्कार परीक्षा का आयोजन कर शल्य चिकित्सक सहायक के रिक्त पदों पर बहाली करना चाहती है, यदि हां तो कबतक ?

स्थानांतरण पर विचार

***** 424. **श्री सुबोध कुमार** : क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि सरकारी नियमानुसार तीन वर्षों में स्थानांतरण करने की नियमावली बनी हुई है;

(ख) क्या यह सही है कि स्वास्थ्य प्रशिक्षक का पद राज्य संवर्ग का है तथा प्रत्येक तीन वर्षों के अंदर राज्य के विभिन्न जिलों में स्थानांतरण किया जाना है;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार नालंदा के सभी स्वास्थ्य प्रशिक्षक, जो तीन वर्षों से एक ही स्थान पर कार्यरत हैं, का स्थानांतरण राज्य के विभिन्न जिलों में करने का विचार रखती है, यदि हां तो कबतक ?

प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र का निर्माण

***** 425. **श्री आदित्य नारायण पाण्डेय** : क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि गोपालगंज जिला के कुचायकोट प्रखंड अन्तर्गत ग्राम-पंचायत राज मतेया खास के ग्राम-रामपुर भैंसही में देश की आजादी के 70 वर्षों के बाद भी आज तक इस गांव के साथ-साथ आस-पास के गांवों के रोगियों को रोगानुसार चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने हेतु प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र निर्माण किये जाने के अभाव में शरणार्थियों की भांति इधर-उधर भटकते हुए अपना-अपना इलाज कराते आ रहे हैं;

(ख) यदि उपर्युक्त खंड 'क' का उत्तर स्वीकारात्मक है, तो क्या सरकार बताना चाहती है कि खंड 'क' पर अंकित गांव में प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र किस परिस्थिति में आज तक नहीं बनया गया और उक्त गांव के प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र कबतक निर्माण कर लेगी ?

वेतनमान देने पर विचार

***** 426. **श्री शिव प्रसन्न यादव** : क्या मंत्री, उद्योग विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि वर्ष 2007-08 में IED Institute of Enterpremureship Develpment ने बियाडा के लिए सहायक विकास पदाधिकारी एवं विकास पदाधिकारी की नियुक्ति हेतु विज्ञापन प्रकाशित किया था;

(ख) क्या यह सही है कि इन पदों पर नियुक्त पदाधिकारियों की नियुक्ति लिखित परीक्षा एवं तत्पश्चात् साक्षात्कार के माध्यम से हुआ था;

(ग) क्या यह सही है कि 10 वर्ष की सेवा पूरा करने के पश्चात् भी इन पदाधिकारियों का मानदेय वेतनमान पर कार्यरत अनुसेवक से कम है;

(घ) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार बियाडा में विगत 10 वर्षों से निश्चित मानदेय पर कार्यरत सहायक विकास पदाधिकारी एवं विकास पदाधिकारी को वेतनमान देने का विचार रखती है, यदि हां तो कबतक ?

विद्युत तार की व्यवस्था

***** 427. **श्री सोने लाल मेहता** : क्या मंत्री, ऊर्जा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि गोपालगंज जिला के कुचायकोट प्रखंड अन्तर्गत ग्राम पंचायत-मतेया खास के ग्राम रामपुर निसही से विभाग द्वारा लगाये गये हाईटेंशन पोल एल.टी. लाइन का विद्युत तार जर्जरावस्था में है;

(ख) क्या यह सही है कि उक्त जर्जरावस्था में लगे विद्युत तार पर संबंधित पदाधिकारियों को कतई चिंता नहीं है;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार खंड 'क' पर अंकित विद्युत तार के टूटने और उससे बड़ी अप्रिय घटना घटने से बचाव हेतु नया विद्युत तार लगाना चाहती है, यदि हां तो कबतक ?

पटना
दिनांक 27 मार्च, 2018 ई.

सुनील कुमार पंवार
सचिव
बिहार विधान परिषद्